भारत के डब्ल्यूएएसएच इनोवेशंस द्वारा विश्व आर्थिक मंच 2025 में वैश्विक चर्चा का नेतृत्व

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल ने मुख्य भाषण दिया

Posted On: 24 JAN 2025 3:29PM by PIB Delhi

Union Minister of Jal Shakti Shri C R Patil at the India Pavilion, World Economic Forum 2025, Davos.

Union Minister of Jal Shakti Shri C R Patil with panelists Mrs Archana Vyas from the Gates Foundation, Mr Ankit Anand of Riseberg Ventures, Mr Stephen Kasper from BCHAR, Mr Jaleed Khwaja of Capgemini, and Mr Vivek Oberoi, at the India Pavilion, World Economic Forum 2025, Davos.

दावोस में विश्व आर्थिक मंच 2025 में इंडिया पैवेलियन में "भारत के डब्ल्यूएसएच इनोवेशंस: जलवायु और जल स्थायित्व में वैश्विक प्रभाव को बढ़ावा" शीर्षक से एक वैश्विक चर्चा आयोजित की गई। मिशन द्वारा अपनाई गई सर्वोत्तम प्रणालियों को प्रदर्शित करने की पृष्ठभूमि में आयोजित इस हाई-प्रोफाइल सत्र में जल, स्वच्छता और आरोग्य (डब्ल्यूएसएच) में भारत की परिवर्तनकारी उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया तथा वैश्विक जलवायु अनुकूलन और सतत विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया गया।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल ने मुख्य भाषण देते हुए स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) और जल जीवन मिशन (जेजेएम) को लागू करने में भारत की यात्रा प्रस्तुत की। ये पहल स्वच्छता कवरेज में सुधार और लाखों ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण रही हैं।

केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल ने कहा, "यह एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो दुनिया को दिखाता है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत न केवल जल संरक्षण के लिए अत्यधिक प्रतिबद्ध है, बल्कि इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में एक परिवर्तनकारी क्रांति भी ला रहा है। बड़े पैमाने पर प्रयासों के माध्यम से, राष्ट्र ने अपने जल संसाधनों को काफी मजबूत किया है, जो स्थायी जल प्रबंधन के लिए एक वैश्विक मानदंड स्थापित करता है। जलवायु परिवर्तन, अधिक जनसंख्या और अति प्रयोग से और भी गंभीर हो रही जल की कमी की व्यापक समस्या का समाधान करने के लिए मजबूत अंतरराष्ट्रीय सहयोग और सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता है।"

श्री सीआर पाटिल ने यह भी कहा , "पिछले कुछ वर्षों में हमने ग्रामीण भारत के लिए सुरक्षित पेयजल तक पहुंच सुनिश्चित करने में उल्लेखनीय प्रगति की है। 2019 में, जब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) की शुरुआत की, तो केवल 17 प्रतिशत ग्रामीण घरों में नल के पानी के कनेक्शन थे। हालांकि, आज, जल जीवन मिशन के तहत 79.66 प्रतिशत ग्रामीण घरों में सुरक्षित पेयजल की पहुंच है। यह परिवर्तन केवल पानी उपलब्ध कराने के बारे में नहीं है, बल्कि जीवन बदलने के बारे में भी है- ग्रामीण भारत अब पानी लाने में प्रतिदिन 55 मिलियन घंटे बचा रहा है, जिससे खासकर महिला कार्यबल की भागीदारी और उत्पादकता बढ़ रही है।"

विश्व आर्थिक मंच मंत्रालय को डब्ल्यूएसएच इनोवेशंस और जलवायु अनुकूलन में भारत की अभूतपूर्व पहलों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है, तथा डब्ल्यूएसएच सेवाओं तक न्यायसंगत और समावेशी पहुंच को बढ़ावा देने के प्रयासों पर बल देता है।

स्वच्छ भारत मिशन और जेजेएम स्वच्छता और जल पहुंच में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर सरकार द्वारा की गई पहलों की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करते हैं। मुख्य भाषण के दौरान श्री पाटिल ने इस बात पर प्रकाश डाला, "स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित करके, इस योजना ने न केवल महिलाओं को सशक्त बनाया है, बल्कि उनकी सुरक्षा भी सुनिश्चित की है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, पिछले दशक में स्वच्छता में सुधार के लिए किए गए प्रयासों से पांच साल से कम उम्र के 3 लाख बच्चों की मौत को रोका गया है।" इसके अलावा, सामुदायिक जुड़ाव, व्यवहार परिवर्तन और प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने पर भारत का ध्यान समान चुनौतियों का सामना करने वाले अन्य देशों के लिए एक मॉडल प्रदान करता है।

मुख्य भाषण के बाद दो महत्वपूर्ण पैनल चर्चाएं हुईं। जल पैनल में "जल स्थायित्व में वैश्विक प्रभाव" विषय पर चर्चा की गई, जिसमें एनएमसीजी, यूनिसेफ और वाटरएड सहित प्रतिष्ठित वैश्विक विशेषज्ञों ने भाग लिया और वैश्विक जल स्थिरता को आगे बढ़ाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण और रणनीतियां साझा कीं।

स्वच्छता पैनल का विषय था "स्वच्छता के माध्यम से वैश्विक स्वास्थ्य में नवाचार", जिसमें गेट्स फाउंडेशन, राइजबर्ग वेंचर्स, बीसीएचएआर, कैपजेमिनी और अभिनेता एवं नीति अधिवक्ता श्री विवेक ओबेरॉय जैसे प्रतिष्ठित पैनलिस्ट एक साथ आए, जिन्होंने विषय पर चर्चा की, तथा स्वच्छता के क्षेत्र में अभूतपूर्व नवाचारों और वैश्विक स्वास्थ्य पर उनके प्रभाव पर प्रकाश डाला।

इंडिया पैवेलियन में आयोजित पैनल चर्चा में भारत के डब्ल्यूएसएच इनोवेशंस और वैश्विक स्थायित्व संबंधी चुनौतियों से निपटने में उनके महत्व पर प्रकाश डाला गया। इसका उद्देश्य सार्वजनिक-निजी भागीदारी, प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान और वैश्विक स्तर पर सफल मॉडलों के विस्तार के लिए रणनीतियों पर संवाद को बढ़ावा देना था।

चर्चा में भारत के स्थायी जल प्रबंधन, जलवायु-अनुकूल व्यवहारों और सार्वजनिक-निजी सहयोग के लिए मापनीय मॉडल पर ध्यान केंद्रित किया गया। खुले में शौच को खत्म करना, एसबीएम के तहत 95 मिलियन से अधिक शौचालयों का निर्माण और जेजेएम के तहत व्यापक घरेलू नल जल कनेक्शन जैसी प्रमुख उपलब्धियों ने भारत को डब्ल्यूएसएच पहलों में वैश्विक अग्रणी के रूप में स्थापित किया है।

इन प्रयासों ने स्वास्थ्य, शिक्षा तक पहुंच और आर्थिक अवसरों में सुधार करके जीवन को बदल दिया है, क्योंकि स्वच्छता, स्वच्छता और पानी लाने में लगने वाले समय में कमी आई है। ये उपलब्धियां जलवायु के अनुकूल कार्रवाई और जल स्थिरता के लिए सहयोगी समाधानों को बढ़ावा देने के लिए विश्व आर्थिक मंच के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप हैं। डब्ल्यूईएफ ने संयुक्त राष्ट्र सतत विकास लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में सार्वजनिक-निजी भागीदारी की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, विशेष रूप से वे जो पानी और स्वच्छता पर केंद्रित हैं। वैश्विक जल संकट से निपटने के लिए, जो स्वास्थ्य, खाद्य सुरक्षा, आर्थिक विकास और जैव विविधता को खतरे में डालता है, सहयोगात्मक कार्रवाई की आवश्यकता है। भारत का अनुभव वैश्विक डब्ल्यूएएसएच से संबंधित रणनीतियों के बारे में सूचित करने और उन्हें मजबूत करने के लिए व्यावहारिक सबक प्रदान करता है।

सत्र का समापन कार्यान्वयन योग्य अंतर्दृष्टि और प्रतिभागियों की प्रतिबद्धताओं के साथ हुआ, जिसमें सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी), विशेष रूप से स्वच्छ जल और स्वच्छता (एसडीजी 6) और जलवायु अनुकूल कार्रवाई (एसडीजी 13) को आगे बढ़ाने में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका की पुष्टि की गई।

***

एमजी/आरपी/केसी/एसकेएस/एसके

(Release ID: 2095828) Visitor Counter : 333
Read this release in: Malayalam , English , Urdu , Marathi , Gujarati